मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

अप्रैल, 2007 से मार्च, 2010 तक

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

सौली खड्ड, मंडी , (हि.प्र.)

दूरभाष 01905-237478, फैक्स 01905-237878

ईमेल- msspsm@ yahoo.com

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पूरे देश में संपूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उसी के चलते मंडी जिला हेतु पूर्ण स्वच्छता अभियान परियोजना को भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है। जिले में यह अभियान जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसकी सर्वप्रथम जिला स्तरीय संपूर्ण स्वच्छता संबंधी बैठक का आयोजन दिनांक 28 जुलाई,2005 को उपायुक्त कार्यालय के सभागार कक्ष में हुआ। जिसमें अभियान को संचालित करने के लिए मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नोडल एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को और व्यापक बनाने के लिए त्वरित कार्य।
- जन जागरूकता और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से स्वच्छता गत सुविधाओं के लिए और मांग पैदा करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना और विद्यार्थियों के बीच साफ सफाई की आदत डालना।
- स्वच्छता के क्षेत्र में कम लागत और उपयुक्त तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देना।
- प्रदूषित जल और गंदगी से होने वाले रोगों को कम करने का प्रयास करना।

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अंतर्गत की गई गतिविधियां
प्रथम चरण

- 28.07.2005 को सर्व प्रथम जिला स्तरीय सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान सम्बन्धी बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय के सभागार कक्ष में किया गया।

- 1 व 2 अगस्त 2005 को जिला स्तरीय खण्ड समवयकों की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन।

- खण्ड स्तरीय पंचायत समन्वयकों व स्वच्छता मित्रों की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन 4 अगस्त 2005 को धर्मपूर, द्रंग, सराज व बल्ह, 5 अगस्त 2005 को गोपालपूर, चौंतड़ा, सुन्दरनगर, सदर व 6 अगस्त 2005 को बाली चौकी, गोहर व करसोग.

- 10 से 15 अगस्त 2005 को पंचायतों में सर्वेक्षण सम्बन्धी खण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- 15 अगस्त 2005 जिला के सभी उप क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य का सुभारम्भ किसा गया ।

- 15 अगस्त 2005 से 15 सितम्बर 2005 तक जिला की सभी पंचायतों में घरेलू सर्वेक्षण कार्य पूरा कि गया।

- 15 सितम्बर 2005 से 20 सितम्बर 2005 तक क्षेत्रिय स्तर पर सर्वक्षेण का समायोजन किया गया।

- 20 से 25 सितम्बर 2005 तक खण्ड स्तरीय सर्वेक्षण का समायोजन किया गया।

- 26 से 30 सितम्बर 2005 तक जिला स्तर पर सर्वेक्षण का आयोजन किया गया जिसके अर्न्तगत जिला के कुल 184047 घरों का सर्वेक्षण जिनमें 132459 परिवारों के पास शौचालय सुविधा नहीं है।

- 8 नवम्बर 2005 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान का सुभारम्भ माननीय सिं. एवंज न स्वा. मन्त्री ठाकुर कॉल सिंह द्वारा उपायुक्त कार्यालय सभाकक्ष मण्डी में किया गया।

- 11 से 18 नवम्बर 2005 तक पायलट कला जत्था सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के बारे आई.ई.सी. कला जत्था कलाकारों की 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भूतनाथ सराय में किया गया । तथा जिसमें 15 कलाकारों को प्रशिक्षित किया गया । जिसमें नाटक व गीतों से भरपूर कार्यक्रमों का समायोजन किया गया।

- 19 से 30 नवम्बर 2005 तक जिला स्तरीय पायलट जत्थों द्वारा 19 कार्यक्रम समस्त खण्डों में तथा सराज व द्रंग खण्ड की 9 पंचायतों में कला जत्था पुस्तुतिकरण के माध्यम से 15000 से भी ज्यादा लोगों को स्वच्छता जागरुकता का संदेश दिया।

- 12 व 13 दिसम्बर 2005 को खण्ड व पंचायत समन्वयकों की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- 15 दिसम्बर 2005 से 8 जनवरी 2006 तक समस्त खण्डों में खण्ड स्तरीय कला जत्थों ने खण्ड स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें 10 खण्डों के 148 कलाकारों को प्रशिक्षित किया।

- 10 जनवरी 2006 को उपायुक्त कार्यालय कक्ष मण्डी में अभियान के प्रथम चरण में ली गई 70 पंचायतों के प्रधानों की कार्यशाला का आयोजन किया।

- 20 से 28 जनवरी 2006 तक उपमण्डल स्तरीय सम्पूर्ण स्वच्छता जागरुकता बारे प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें पंचायत प्रधानों, विभागीय कर्मचारियों स्वयं सेवी संस्थाओं, महिला/युवक मण्डलों को प्रशिक्षित किया गया।

- 30 से 31 जनवरी 2006 तक खण्ड स्तरीय समन्वयकों की दो दिवसीय अभियान बारे कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- 15 से 17 फरवरी 2006 तक उपमण्डल स्तरीय स्त्रोत व्यक्तियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रति पंचायत 4 स्त्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया।

- 18 फरवरी 2006 को समस्त जिला परिषद सदस्यों तथा पंचायत समिति खण्ड अध्यक्षों की एक दिवसीय बैठक का आयोजन जिला परिषद की अध्यक्षता में किया गया।

- मार्च व अप्रैल 2006 में समस्त 85 पंचायतों (पुर्नगठन से पहले 70 पंचायतें) पंचायत/वार्ड स्तरीय स्वच्छता जागरुकता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें पंचायत स्तरीय शिविरों में 100 से 150 व्यक्ति प्रति पंचायत तथा 50 से 100 तक की संख्या में वार्ड स्तरीय शिविरों में प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

- 21 से 26 मार्च 2006 तक राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा आयोजित पंचायत प्रतिनिधियों का अध्ययन भ्रमण का आयोजन डी.आर. डी.ए. के सौजन्य से किया गया जिसमें 26 प्रतिनिधियों ने नैनीताल (उत्तरान्चल) का भ्रमण किया।

- माह मार्च में स्वच्छता अभियान के तहत हुई सम्पूर्ण स्वच्छ प्रस्तावित 22 पंचायतों का मुल्यांकन खण्ड स्तरीय मुल्यांकन टीम द्वारा किया गया।

- 17 अप्रैल 2006 को समस्त स्त्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के बेहतर मार्गदर्शन हेतू एक मार्गदर्शिका के निर्माण हेतू रणनिती तय की गई।

- 19 से 22 जून 2006 तक खण्ड स्तरीय स्कूल स्वच्छता समूहों के प्रभारी अध्यापकों को सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे एक दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया।

- माह जुलाई 2006 में द्वितीय चरण की सभी पंचायतों में कमेटी गठन का कार्य किया गया तथा 251 पंचायतों में से 239 पंचायतों में कमेटियों का गठन किया गया।

- 12 से 17 जुलाई 2006 तक समस्त विकास खण्डों में सभी पंचायत समन्वयकों को सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के बारे प्रशिक्षण दिया गया।

- 2 से 6 अगस्त 2006 तक विश्व बैंक दक्षिण एशिया विंग के सहयोग से एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान से जुड़े सभी अधिकारी व स्त्रोत व्यक्तियों को समुदाय आधारित सम्पूर्ण स्वच्छता के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

- 15 अगस्त से 2 अक्तूबर 2006 तक द्वितीय चरण की 251 पंचायतों में खण्ड स्तरीय कला जत्थों द्वारा कला जत्था कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- 22 व 23 अगस्त 2006 को खण्ड स्तरीय स्त्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला आयोजित की गई।

- 18 से 26 सितम्बर 2006 तक समस्त खण्ड स्तरीय स्त्रोत व्यक्तियों का एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

- 10 अक्तूबर 2006 को समस्त खण्ड स्तरीय कला जत्था कलाकारें की जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें 125 कलाकारों ने भाग लिया । इस कार्यशाला में भविष्य हेतू जिला एवं खण्ड स्तर पर सांस्कृतिक मंचों के गठन बारे बातचीत की गई।

- प्रथम चरण की 85 पंचायतों में से 24 ग्राम पंचायतें तथा द्वितीय चरण की 6 पंचायतों ने पूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य हासिल करके अपना आवेदन निर्मल ग्राम पुरस्कार हेतू भारत सरकार को भेज दिया।

- 30 नवम्बर 2006 तक प्रथत चरण की 53 पंचायतों में समुदाय आधारित सम्पूर्ण स्वच्छता (CLTS) कार्यशालाओं का आयोजन किया गया तथा द्वितीय चरण की 193 पंचायतों में स्वच्छता शिविरों का आयोजन किया गया।

- स्वजलधारा एवं सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अर्न्तगत खण्ड स्तर पर दो–2 स्त्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया।

- अब तक जिला में सम्पूर्ण स्वच्छ हुई पंचायत प्रधानों की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन डाईट मण्डी में 2 से 4 नवम्बर 2006 तक किया गया।

- दिसम्बर 2006 को जिला स्तरीय खण्ड विकास अधिकारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे रणनिति तैयार की गई ।

- 13 से 16 दिसम्बर 2006 – राज्य स्तरीय सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे राज्य संसाधन केन्द्र शिमला के शैजन्य से 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यशाला में उपायुक्त महोदय ने भी भाग लिया।

- 7 जनवरी 2007 – स्वच्छता रैलियों का आयोजन 336 पंचायतों में से 325 पंचायतों में किया गया जिसमें 63515 लोगों ने भाग लिया ।

- 11–12 जनवरी 2007 सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत ब्स्जै बारे खण्ड स्त्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त कार्यालय सभाकक्ष में किया गया जिसमें जिला के सभी खण्डों से 82 स्त्रोत व्यक्तियों ने भाग लिया । इसके बाद सभी खण्डों में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें 251 ग 3 त्र 753 स्त्रोत व्यक्तियों ने भाग लिया।

- 17से 20जनवरी 2007 को द्रंग, चौतड़ा खण्डा के पधर, जोगिन्दरनगर, चौंतड़ा व लड़भड़ोल प्राथमिक शिक्षा स्तर पर स्कूली बच्चों की स्वच्छता सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें 78 स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया । इस अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरूस्कृत भी किया गया।

- 20से 31जनवरी,2007 तक समस्त खण्डों में खण्ड स्त्रोत व्यक्तियों की ब्स्जै प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक पंचायत से 3 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रकार कुल 753 स्त्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया।

- 27 जनवरी 2007 को द्रंग खण्ड के प्रधानों व उप प्रधानों की सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे बिशेष बैठक का आयोजन उरला में किया गया जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त महोदय ने की।

- 30–31 जनवरी 2007 को सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान सम्बन्धी राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन शिमला में किया गया जिसमें जिला स्वच्छता मिशन के सचिव / परियोजना अधिकारी, परियोजना समन्वयक, आई.ई.सी समन्वयक, कम्पयूटर डाटा एन्ट्री ऑप्रेटर, तथा दो प्रधानों किलिंग व जंजैहली ने भी भाग लिया।

- पेय जल के शुद्धिकरण की जांच हेतू (85+251) 336 पंचायतों में 902 स्थानों पर पानी के नमूने लिए गए । जिनमें से केवल 615 नमूने सही पाए गए।

- 20से 30 मार्च,2007 तक समस्त उपमंडल स्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों तथा अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठकों का आयोजन किया गया।

- 22 से 25 मार्च,2007 तक भोपाल (मध्य प्रदेश) में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सभा का आयोजन किया गया जिसमें मंडी जिला में स्वच्छता अभियान से जुड़े 4 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- मार्च 2007 तक शिविर, कला जत्था तथा CLTS कार्यशालाओं का आयोजन निम्न प्रकार से किया गया

Sr. No.	Name of Block	1st Phase							
		No. of GPs	No. of Wards	Camps		Kala Jatha		CLTS	
				Camps	No of Participants	Programme	No of Participants	Trainings	No of Participants
1	Balh	7	47	54	3914	49	9728	7	560
2	Chauntra	10	60	68	4180	61	10224	10	630
3	Dharampur	8	48	54	3208	49	8584	8	472
4	Drang	9	53	61	3340	54	10557	9	692
5	Gohar	7	43	48	3279	44	8112	7	494
6	Gopalpur	7	49	55	3812	50	7830	7	445
7	Karsog	10	60	69	4364	61	11618	10	562
8	Sadar	9	51	57	4088	52	9308	9	540
9	Seraj	10	56	66	3884	60	9425	10	526
10	SunderNagar	8	58	65	4348	57	9744	8	458
		85	525	597	38417	537	95130	85	5379

Sr. No.	Name of Block	2nd Phase							
		No. of GPs	No. of Wards	Camps		Kala Jatha		CLTS	
				Camps	No of Participants	Programme	No of Participants	Trainings	No of Participants
1	Balh	31	199	31	1864	106	17717	36	1885
2	Chauntra	14	86	14	672	72	8856	28	1960
3	Dharampur	29	161	29	1892	126	17702	22	1120
4	Drang	20	138	20	1408	83	12516	26	1760
5	Gohar	20	114	20	1160	61	9180	30	1850
6	Gopalpur	22	142	22	1056	85	12408	32	1540
7	Karsog	28	159	28	1372	89	16379	48	2480
8	Sadar	35	195	35	1880	100	16318	40	2480
9	Seraj	23	134	23	1181	109	19198	24	1731
10	SunderNagar	29	181	29	2195	127	18415	58	3346
		251	1509	251	14680	958	148689	344	20152

Sr. No.	Name of Block	3rd Phase										
		No. of GPs	No. of Wards	Camps		Kala Jatha					CLTS	
				Camps	No of Participants	Programme	No of Participants				Trainings	No of Participants
							Male	Female	Students	Total		
1	Balh	13	81	13	698	64	1671	2039	3068	6778	13	497
2	Chauntra	16	92	16	624	62	1836	2229	2813	6878	16	527
3	Dharampur	12	76	12	516	68	1584	1979	2678	6241	12	406
4	Drang	11	59	11	484	54	1135	1721	3383	6239	11	387
5	Gohar	10	54	10	394	33	693	823	798	2314	10	367
6	Gopalpur	12	86	12	422	47	560	842	1870	3272	12	382
7	Karsog	22	120	22	946	58	1330	2570	2015	5915	22	874
8	Sadar	17	113	17	787	49	995	985	1997	3977	17	697
9	Seraj	12	68	12	456	62	2327	2772	6571	11670	12	423
10	SunderNagar	12	69	12	589	59	1182	2925	6397	10504	12	548
		137	**818**	**137**	**5916**	**556**	**13313**	**18885**	**31590**	**63788**	**137**	**5108**

- 21अप्रैल,2007 द्रंग खंड के पधर में राज्य/ जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार समारोह में मुख्यमंत्री महोदय द्वारा जिला की चार पंचायतों ढीम कटारू, किलिंग रजवाड़ी व संधोल को पुरस्कृत किया गया।
- 22–24 अप्रैल,2007 को केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की टीम द्वारा जिला की 19 पंचायतों का पुनः मूल्यांकन किया गया जो राष्ट्रीय निर्मल ग्राम पुरस्कार से वंचित रह गई थी।
- सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जिला से 7 सदस्यीय दल द्वारा महाराष्ट्र के नागपुर का अध्ययन भ्रमण किया गया जिसमें उपायुक्त, परियोजना अधिकारी,डी.आर.डी.ए., खंड विकास अधिकारी और कार्यालय सचिव, मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति ने भाग लिया।
- 4मई,2007 को जिला की 17 ग्राम पंचायतों को महामहिम राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा राष्ट्रीय निर्मल ग्राम पुरस्कार प्रदान किये गये।
- 7मई,2007 को जिला स्तरीय स्कूल व आंगनबाड़ी स्वच्छता समूह का गठन अतिरिक्त उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में किया गया।

- 23 मई,2007 को जिला स्तरीय स्कूल व आंगनबाड़ी स्वच्छता समूह की बैठक उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में हुई।
- 5जून,2007 को सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तृतीय चरण का शुभारंभ किया गया व स्कूलों में गठित स्वच्छता समूहों के माध्यम से स्वच्छता रैलियों का आयोजन किया गया।
- 27–30जून,2007 तक समस्त खंडों में तृतीय चरण के पंचायत समन्वयकों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 11जुलाई,2007 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला के सभी खंडों में गठित पर्यावरण एवम् स्वच्छता समूहों व स्कूली बच्चों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता रैलियों/ पदयात्रा का आयोजन किया गया।
- 20जुलाई,2007 जिला स्तरीय खंड स्रौत व्यक्तियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 21जुलाई,2007 को अब तक खुला शौच मुक्त हुई पंचायतों के बाह्य मूल्यांकन हेतु जिला स्तरीय बाह्य मूल्यांकन टीम का गठन किया गया।
- 25–26 जुलाई,2007 को डब्ल्यू. एस. पी. के सौजन्य से वैली व्यू होटल में दो दिवसीय (CLTS) समुदाय संचालित संपूर्ण स्वच्छता अभियान बारे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।
- 15अगस्त से 26 अगस्त,2007 तक संपूर्ण स्वच्छता अभियान के अध्ययन हेतु 25 सदस्यीय अध्ययन दल द्वारा केरल राज्य के तीन जिलों का भ्रमण किया गया।
- 19अगस्त को प्रथम व द्वितीय चरण के खुला शौच मुक्त 90 पंचायतों के प्रधानों की अभियान बारे समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।
- 6–7सितंबर,2007 को तृतीय चरण की पंचायतों में वातावरण निर्माण हेतु जिला स्तरीय कला जत्था स्रौत व्यक्तियों की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 11सितम्बर,2007 को खंड बल्ह, द्रंग, चौंतड़ा, धर्मपुर व गोपालपुर के पंचायत निरीक्षकों, एस.ई.बी.पी.ओ. और पंचायत सचिवों की संपूर्ण स्वच्छता अभियान बारे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त कार्यालय के सभागार में किया गया। कलस्टर स्तरीय स्वच्छता जागरूकता स्वयं सेवी जत्थे का गठन बल्ह व सराज खंड में किया गया।

- 15–20सितंबर,2007 तक समस्त खंडों में कला जत्था कलाकारों की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। (तृतीय चरण)

- 18सितंबर,2007 को खंड सदर , करसोग, सराज ,गोहर व सुंदरनगर के पंचायत निरीक्षकों ,एस.ई.बी.पी.ओ. और पंचायत सचिवों की संपूर्ण स्वच्छता अभियान बारे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त कार्यालय सभागार में किया गया।

- 20सितम्बर, 2007 तक जिला स्तरीय बाह्य मूल्यांकन टीम की बैठक का आयोजन किया गया तथा 20 से 30 सितंबर, 2007 तक जिला की 39 खुला शौच मुक्त पंचायतों का बाह्य मूल्यांकन किया गया।

- 20सितम्बर से 25 अक्तूबर,2007 तक तृतीय चरण की पंचायतों में कला जत्था कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- 26–30 सितंबर, 2007 तक मांडव होटल मंडी में समुदाय संचालित संपूर्ण स्वच्छता अभियान बारे स्रौत व्यक्तियों की 5दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 28सितंबर, 2007 को सराज खंड की ग्रांम पंचायत खौली में जिला स्तरीय स्वच्छता समारोह का आयोजन किया गया।

- माहसितंबर,2007 में खंड विकास अधिकारी कार्यालय सदर में स्वच्छता पार्क का निर्माण किया गया।

- एन जी पी हेतु जिला की 148 पंचायते नामित की गई।

- 2अक्तूबर 2007 – स्वच्छता अभियान में उतकृष्ट कार्य करने वाले खण्डों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्त्रोत व्यक्तियों, स्वच्छता मित्रों, महिला / युवक मण्डलों, कला जत्था कलाकारों को उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला स्वच्छता मिशन मण्डी द्वारा जिला स्तरीय स्वच्छता समारोह सुंदरनगर खंड के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला महादेव में सम्मानित किया गया ।

- 12 अक्तूबर 2007 – खण्ड स्तरीय समुदाय संचालित सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत खण्ड स्त्रोत व्यक्तियों के एक दिवसीय बैठकों का आयोजन सभी खण्डों में किया गया । जिसमें तृतीय चरण की 137 पंचायतों में ब्स्जै कार्यशालाओं की तिथियां व स्त्रोत व्यक्ति की भूमिका सुनिश्चित की गई ।

- 13से31 अक्तूबर 2007 – जिला के समस्त खण्डों में ब्स्जै कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

- 15अक्तूबर 2007 – समस्त खण्डों से आए प्राथमिक खण्ड की बैठक डाईट मण्डी में हुई जिसमें उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला स्वच्छता मिशन मण्डी द्वारा स्कूलों की स्वच्छता अभियान में भूमिका बारे दिशा निर्देश निचले स्तर पर कार्यरत शिक्षकों व बच्चों के माध्यम से आम लोगों तक पहुचाने का आह्वान किया गया ।

- 18अक्तूबर 2007 – जिला चिकित्सा अधिकारी कार्यालय मण्डी में समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों की बैठक में उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला स्वच्छता मिशन मण्डी द्वारा स्वच्छता अभियान में सहयोग बारे दिशा निर्देश दिए गए ।

- 19 अक्तूबर 2007 को बिल गेट्स एवं मिलिन्दा फाउंडेशन के चार सदस्यों द्वारा कार्याकारी अधिकारी के आगमन हेतू पूर्व तैयारी बारे बल्ह खण्ड की दो पचांयतों में पंचायत कमेटी के साथ बैठक की गई ।

- 22 अक्तूबर 2007 को बिल गेट्स एवं मिलिन्दा फाउंडेशन के कार्याकारी अधिकारी के साथ वर्ल्ड बैंक के सदस्यों सहित बल्ह खण्ड के माण्डल व बडसू पंचायत कमेटी, महिला मण्डलों से बातचीत की ।

- 31अक्तूबर,2007 को उपायुक्त महोदय द्वारा स्वच्छता पार्क का शुभारंभ किया गया।

- इसके अलावा स्वयं सहायता समूह, युवक / महिला मण्डल के प्रतिनिधियों की स्वच्छता अभियान बारे खण्ड स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया ।

- क्लस्टर अपरोच के अर्न्तगत केवल बल्ह खण्ड में 6 टीमों द्वारा 18 पंचायतों में स्वच्दता अभियान के तहत हो रहे कार्यों में और अधिक गति लाने हेतू क्षेत्रिय भ्रमण किया गया ।

- माह अक्तूबर में जिला की 10 अन्य पंचायतों द्वारा खुला शौच मुक्त की घोषणा की । इस प्रकार कुल 146 पंचायतें जिनमें प्रथम चरण में 66, द्वितीय में 68 और तृतीय चरण में 12 पंचायतें खुला शौच मुक्त हो गई ।

- 2–6 नवम्बर,2007 तक डब्लयू.एस.पी. से श्री राजीव कुमार द्वारा जिला में चल रहे अभियान पर डाकुमेंटेंशन का कार्य हुआ।

- 4–6 नवम्बर, 2007 तक विश्व बैंक की तरफ से श्री कर्ण सिंह द्वारा जिला में चल रहे अभियान के संचालन प्रक्रिया बारे अध्ययन किया।

- 14–16 नवम्बर, 2007 तक राबर्ट चैंबर यूनाईटेड किंगडम से जिला में चल रहे अभियान की उपलब्धियों व समस्याओं बारे अध्ययन किया गया।

- 18–20 नवम्बर, 2007 तक कबीर खान प्रोडेक्शन द्वारा जिला में चल रहे अभियान का वृत चित्र सराज खंड में तैयार किया गया ।

- जिला ग्रामीण विकास अभिकरण मण्डी द्वारा एतिहासिक महत्व के ख्याति प्राप्त अर्न्तराष्ट्रीय शिवरात्री मेले में दिनांक 7 से 13 मार्च 2008 तक सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के बारे में आम जनता में जागरुकता फैलाने हेतु व अभी तक की गई उपलब्धियों के प्रचार प्रसार हेतु प्रदर्शनी लगाई गई ।

- 15 अगस्त 2008 तक जिला को सम्पूर्ण स्वच्छ घोषित करने हेतू माह मई 2008 में समस्त विकास खण्डों में विशेष बैठकों का आयोजन किया गया तथा जिसमें 15 अगस्त 2008 तक जिला मण्डी की समस्त पंचायतों के लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्ययोजना बनाई गई ।

- 13मई 2008 को द्रंग खण्ड की चौहार वैली में स्वच्छता अभियान बारे विशेष बैठक का आयोजन किया गया ।

- 14मई 2008 को सरकाघाट क्षेत्र के मढ़ी में स्वच्छता अभियान बारे विशेष बैठक का आयोजन किया गया ।

- 15मई 2008 को सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत जिला स्वच्छता मिशन की बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय सभागार कक्ष मण्डी में किया गया ।

- 17मई 2008 को सराज व गोहर खण्डों की उपमडण्ल स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया ।
- 23मई 2008 को सुन्दरनगर, करसोग व गोहर खण्डों से सम्बन्धित निहरी क्षेत्र की पंचायतों के लिए बैठक का आयोजन निहरी में किया गया ।
- 5जून 2008 को जिला के समस्त विकास खण्डों में विश्व पर्यावरण दिवस को सम्बन्धित विधायकों की अध्यक्षता में स्वच्छता उत्सव के रुप में मनाया गया तथा स्वच्छता रैलियां निकाली गई ।
- **माह सितम्बर 2008 में भारत सरकार द्वारा घोषित निर्मल ग्राम पुरस्कार हेतू उतराखण्ड प्रशासन से आई टीम द्वारा पंचायतों का मुल्यांकन किया गया ।**
- 17अक्तूबर 2008 को हिसार में निर्मल ग्राम पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था जिसमें मण्डी जिला से 46 ग्राम पंचायतों को यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया ।
- राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन दिनांक 9 नवम्बर 2008 को रा.व.मा.पा.कन्दरौर, जिला बिलासपूर में किया गया जिसमें इस वर्ष निर्मल ग्राम पुरस्कार विजेता पंचायतों को मुख्यमन्त्री हिमाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया ।
- 1अप्रैल 2008 से 31 जनवरी 2009 के दौरान प्राप्त सफलताएं निम्न प्रकार से है :

Total Progress Up to	Target IHHL	Achivements in			
		IHHL	School Toilets	Anganwari Toilets	ODF GPs
Jan-09	134705	134555	783/2087	4/224	459/473

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अप्रैल,2007 से 31मार्च, 2010 तक की गई गतिवधियों का ब्यौरा

1.स्वयं सहायता समूहों के संचालन के लिये ढांचा

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा वर्ष 1999 से सतत शिक्षा परियोजना के ढांचे के साथ जोड़कर समूहों का संचालन भी करती रही। परन्तु वर्ष 2002 के बाद सतत शिक्षा कार्यक्रम आगे की स्वीकृति न होने की वजह से समिति ने समूह संचालन बारे नये ढांचे का गठन किया गया जिसका विवरण निम्नलिखित हैः–

जिला से स्वयं सहायता समूह तक ढांचा

अध्यक्ष	उपायुक्त
सह अध्यक्ष	अतिरिक्त उपायुक्त
सचिव	
परियोजना समन्वयक	1
खंड प्रभारी	4
खंड समन्वयक	14
कलस्टर लीडर	115 (20 से 40 समूहों पर एक)
स्वयं सहायता समूह	3313

स्वयं सहायता समूहों की स्थिति

समिति द्वारा समूहों के बेहतर संचालन के लिये नाबार्ड तथा दूसरे बैंक के सहयोग से परियोजना ली गई

परियोजना का विवरण

1. 2000 समूहों के गठन बैंक लिकें परियोजना वर्ष वर्ष 2002.
2. 2000 समूहों की मॉनीटरिंग व रिफ्रेशर प्रशिक्षण हेतु नाबार्ड द्वारा परियोजना स्वीकृत वर्ष 2005.
3. 250 समूहों के गठन बैंक लिकेंज के लिये पंजाब नैशनल बैंक से परियोजना वर्ष 2004.

4. 1000स्वयं सहायता समूहों के गठन, बैंक लिकेंज, रिफ्रेशर प्रशिक्षण व मॉनीटरिंग सम्बन्धी परियोजना नाबार्ड द्वारा वर्ष 2006.

स्वयं सहायता समूहों का विवरण 31 मार्च,2008 तक

क्र.	खंड	कलस्टरों की संख्या	कुल समूह	कुल बचत	बैंक लिकेंज	बैंक ऋण
1	सदर	10	333	8008728.00	273	10411874.00
2	बल्ह	12	500	6695255.00	450	16596160.00
3	सुंदरनगर	16	385	3571126.00	351	11851900.00
4	करसोग	16	275	1160765.00	233	3483650.00
5	धर्मपुर	14	302	1881060.00	269	5714510.00
6	गोपालपुर	12	298	1931942.00	257	6295860.00
7	द्रंग	8	317	5044842.00	303	16298350.00
8	चौंतड़ा	9	357	5902400.00	332	11736030.00
9	गोहर	6	297	3096559.00	270	11225400.00
10	सराज–जजैंहली–1	6	147	657590.00	139	989000.00
11	सराज–बालीचौकी.2	6	102	1092843.00	68	1746000.00
	कुल	**115**	**3313**	**39043110.00**	**2945**	**96348734**

अप्रैल,2007 से मार्च,2008 तक समूहों का विवरण

कुल गठित समूह	464
बैंक लिकेंज समूह	425
रिलिंक समूह	293

सूचना एवम् मॉनीटरिंग प्रणाली

समिति द्वारा समूहों की सूचना व मॉनीटरिंग करने के लिये निम्न प्रणाली अपनाई गई है:–

समूहों की बैठक माह में एक बार होती है। यह बैठक किसी के घर, आंगन या सार्वजनिक जगह में होती है। बैठक का संचालन समूह का सचिव करते हैं।

- बैठक में किये जाने वाले कार्य
- बचत जमा करना।
- आपसी लेनदेन का हिसाब करना।

- बैंक ऋण सम्बन्धी चर्चा।
- समूह द्वारा गतिविधियों पर निर्णय होना।
- समिति द्वारा चलाये कार्यक्रमों पर चर्चा।
- बैठक 1 से दो घंटे चलती है।

कलस्टर लीडर

कलस्टर लीडर अपने क्षेत्र में गठित समूहों की रिर्पोटिंग त्रैमासिक आधार पर इकठ्ठा करते है। जिला में 115 कलस्टर लीडरों को यह कार्य सौंपा गया है।

कलस्टर लीडर के कार्य

- समूह की बैठक में भाग लेना।
- सुचनाएं एकत्रित करना।
- बैंक लिर्केज के दस्तावेज तैयार करना।
- आर्थिक गतिविधियों का चयन व मार्गदर्शन।
- खंड स्तर की बैठकों में समूह की रिर्पोट प्रत्येक माह जमा करना।
- समूह तक समिति द्वारा दी गई सामग्री को पहुंचाना।
- प्रत्येक कलस्टर लीडर को प्रोत्साहन राशि के रूप में गठन, बैंक लिर्केज व परियोजना व मॉनीटरिंग संबंधी 800/– रूपये प्रति समूह नाबार्ड परियोजना से दिया जाता है।

खंड समन्वयक

- खंड समन्वयक का कार्य सूचना व मॉनीटरिंग करना है।
- हर माह कलस्टर लीडरों की बैठक का आयोजन करना। पिछले कार्य की समीक्षा भविष्य में कार्य सौंपना।
- रिर्पोट एकत्रित करके जिला कार्यालय में जमा करना।
- बैंक शाखाओं से तालेमेल।
- हर माह जिला स्तर की बैठक में भाग लेना।
- बैंक लिर्केज का सिफारिश पत्र जारी करना।
- लिर्केज के दस्तावेज की सही देखरेख करना।
- खंड में अन्य विभागों से सहयोग से गतिविधियों का आयोजन करना।

- समिति समूहों के प्रशिक्षण के लिए व्ययसाय करना एवम् प्रशिक्षण प्रदान करना।
- गुणवता विकास कार्यक्रम का आयोजन करना।

जिला स्तर पर

जिला स्तर पर स्वयं सहायता समूहों के संचालन समिति द्वारा किया जाता है। इसकी जिम्मेवारी परियोजना समन्वयक को दी गई है। परियोजना समन्वयक विभिन्न प्रगति रिपोर्ट सचिव अथवा अध्यक्ष के माध्यम से विभिन्न संस्थाओं को भेजेगा तथा खंड समन्वयक का मार्गदर्शन व सहयोग करेगा।

- जिला स्तर के कार्य
- समूहों का पंजीकरण।
- स्टेशनरी तैयार करना।
- मॉनीटरिंग कमेटियों की बैठक का आयोजन करना।
- स्रौत व्यक्ति व समन्वयक तथा कलस्टर प्रभारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- आमदनी बढ़ोतरी हेतु परियोजना निर्माण करना।
- विभिन्न संस्थाओं व विभागों से तालमेल करना।

स्वयं सहायता समूहों के विभिन्न प्रशिक्षण

समिति को नाबार्ड द्वारा स्वीकृत 1000 स्वयं सहायता समूहों के गठन व बैंक लिकेंज परियोजना के तहत प्रधान व सचिवों को दो दिन का प्रशिक्षण दिया गया तथा समस्त सदस्यों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिये गये। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक, स्रौत व्यक्ति टीम सदस्य, शाख प्रबंधक ने भाग लिया। कुछ स्थानों में जिला विकास प्रंबधक नाबार्ड द्वारा भी भागेदारी की। यह प्रशिक्षण समूहों को खंड कार्यालय व कलस्टर स्तर पर प्रदान किया गया।

- 19से21 मई,2007 को कलस्टर लीडरों की जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- अक्तूबर,2007 में उपमंडल स्तर पर कलस्टर लीडरों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आय बढ़ोतरी कार्यक्रम

शॉल डिजाईन डिवलेपमेंट प्रशिक्षण नाबार्ड द्वारा गुणवता विकास कार्यक्रम के तहत 35 महिलाओं ने सराओ खंड गोहर में 90 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें महिलाओं ने 14 डिजाईन में प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा उन्हें आमदनी बढ़ोतरी में यह प्रशिक्षण सहायक सिद्व हुआ। यह प्रशिक्षण 29 मार्च,2007 से शुरू हआ था।

इन्नर वियर प्रशिक्षण

नाबार्ड द्वारा स्वीकृत परियोजना के तहत गोहर खंड में चैलचौक पंचायतघर में 30 महिलाओं को इन्नर वियर का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 10 महिलाओं द्वारा इन्नर वियर बनाने की मशीनें बैंक केडिट कार्ड के माध्यम से खरीदी गई।

सीरा व बड़ियों का प्रशिक्षण नाबार्ड के सहयोग से 22 सितंबर से 1 अक्तूबर,2007 तक पंचायतघर कनैड में दिया गया जिसमें 30 समूहों की तीन महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें 9 किस्म की बड़ियां बनाई गई तथा सीरा बनाया गया। प्रशिक्षण के बाद तैयार उत्पाद को शिवरात्रि मेला मंडी, नलवाड़ मेला सुंदरनगर ,रैडक्रॉस मकेला व अन्य विभिन्न मैलों में विक्रय किया गया जिसमें महिलाओं ने अतिरिक्त मासिक 1000/– रूपये का लाभ ले रही है।

विभिन्न गतिविधियां

कैरी बैग निर्माण खंड द्रंग की दारट बगला पंचायत में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा केरी बैग बेचन की तीन मशीने लगवाई गई जिनसे उनकी मासिक आय 5000 से 10000बनती है। इस कार्य में समूह की सदस्य भी कार्य कर रही है। इसकी मार्केटिंग की उचित व्यवस्था की गई है।

आचार बनाने बारे

जिला में ऐसे बहुत से समूह है जो आचार बनाने का कार्य कर रहे हैं इसमें मुख्य रूप से धर्मपुर खंड के टीहरा पंचायत के लक्ष्मी समूह द्वारा लसूड़े, आबंले, आम गलगल का आचार तैयार करके बेचा जाता है। जिसमें एक सदस्य को 3000 प्रतिमाह से अधिक लाभ हो रहा है।

स्कूल बैग

खंड बल्ह के गांव भड़याल की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस कार्य में निपुण है तथा बैग बनाने का कार्य कर रही है।

3.“राष्ट्रीय हरित कोर कार्यक्रम”

“राष्ट्रीय हरित कोर कार्यक्रम” भारत सरकार के वानिकी एवम् पर्यावरण विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया है। राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवम् पर्यावरण परिषद नोडल एजेंसी के रूप में “राष्ट्रीय हरित कोर कार्यक्रम” को शिक्षा विभाग की मदद से चला रही है। मंडी जिला में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति सहयोगी संस्था के रूप में कार्य कर रही है।

उद्देश्य–

राष्ट्रीय हरित कोर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के सभी स्कूलों में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाना है जिसमें इको क्लबों के माध्यम से घरों से निकलने वाले तथा अस्पताल से निकलने वाले कचरे का निदान, जल संकट एवम् जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, शहरों में पौधरोपण करना, सार्वजनिक पार्क, बाग–बगीचो तथा जल स्रोतों का रखरखाव , लोगों में पर्यावरण के प्रति मैत्री भाव विकसित करना तथा पर्यावरण पारिस्थितिकी का मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका से लोगों को अवगत करवाना जैसे मुद्दों पर चर्चा अनिवार्य है।

खंड स्तरीय कार्यशालाएं

जिला मंडी में स्वच्छता अभियान के तहत किये जा रहे कार्यो को और अधिक गति प्रदान करने हेतु स्कूली स्वच्छता के तहत अध्यापकों व बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने हेतु विशेष प्रयास किये गये जिसके तहत स्कूलों में शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देना, स्वच्छता बारे गांव के मानचित्र बनाते हुए स्वच्छता बारे सर्वेक्षण करना, बेहतर कार्य करने वाले इक्को क्लबों व छात्र/ संस्थाओं को मिस्टर/ मिस क्लीन का सम्मान देना तथा जागरूकता रैलियों का आयोजन बारे कार्य करने का निर्णय लिया गया।

पर्यावरण दिवस का आयोजन 5 जून,2007 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र मंडी में किया गया। इस अवसर पर 12 पाठशालाओं के इक्को क्लबों के छात्र/ छात्राओं ने मॉडल,चार्ट प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ऐलीमेंटरी तथा उच्च कक्षाओं से एक–एक छात्र को बुलाया गया था। बेहतर कार्य करने के लिये प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। पर्यावरण के दिवस के अवसर पर उपायुक्त महोदय द्वारा प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये जिसमें 1500/– प्रथम, 1000/– द्वितीय व 500/– तृतीय को दिये गये इसके अतिरिक्त स्मृति चिन्ह भी भेंट किये गये।

अगस्त 2007 में समस्त खंडों में इक्कों क्लब प्रभारी/ सह प्रभारी अध्यापकों की एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें जिला स्तरीय स्रोत व्यक्तियों द्वारा भाग लिया। 19फरवरी,2008 को जिला स्तरीय इक्कों क्लब प्रभारी अध्यापकों की बैठक का आयोजन किया गया।

4.कृषि में विविधीकरण कार्य

कृषि में विविधीकरण परियोजना जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा संचालित की जा रही है। इस परियोजना को जिले में सुचारू रूप से चलाने हेतु जिला ग्रामीण विकास अभिकरण ने मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को नोडल एजेंसी के रूप में चयनित किया है। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य जिले के पशुपालकों में पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

संगठन

इस परियोजना के क्रियान्वयन हेतु मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति ने एक जिला समन्वयक को नियुक्त किया है सभी विकास खंडों में इस कार्यक्रम को निचले स्तर तक ले जाने के लिए प्रत्येक विकास खंड में दो–दो खंड मोटीवेटर नियुक्त किये हैं। ये मोटीवेटर अपने अपने खंड में एक महीने में दो बैठकें करते है इनकी तथा जिला स्तर पर एक बैठक की जाती है।

कार्य

इन खड समन्वयकों का मुख्य कार्य डेयरी समूह के पशुपालकों के पशुओं के लिए पशु आहार की मांग एकत्रित करना तथा विभाग से पशु आहार ले कर पशुआहार को वितरित करना है। विभाग के आहवान पर पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पशुपालकों के कैंप आयोजित करवाना जिसमें उनकी मुख्य जिम्मेदारी पशुपालकों को एक स्थान पर एकत्रित करना होता है तथा समूहों में जाकर उनकी समस्याओं की चर्चा करना होता है। साथ ही उनकी मासिक प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय में जमा करवानी होती

वर्ष 2007–08 में जिला में गठित डेयरी समूह तथा उनमें वितरित पशु आहार का विवरण

क्र	खंड	डेयरी समूहों की संख्या	आहार क्विंटलों में
1	सदर	100	200
2	बल्ह	100	200
3	सुंदरनगर	90	180
4	करसोग	80	160
5	गोपालपुर	80	160
6	धर्मपुर	80	160
7	द्रंग	80	160
8	चौंतड़ा	80	160
9	गोहर	80	160
10	सराज	80	160
	कुल	**850**	**1700क्विटल**

उपरोक्त सभी डेयरी समूहों को खंड मोटीवेटर ने नजदीकी पशु स्वास्थ्य केन्द्र के साथ जोड़ा है । जहां उन्हें मिनरल मिक्सचर व अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाती है। मार्च ,2008 तक मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा चयनित खंड मोटीवेटरों के माध्यम से 1700 क्विंटल पशु आहार पशुपालकों तक वितरित किया गया।

डेयरी समूहों के लाभार्थियों का भ्रमण

मई,2007 करसोग, सराज।

जून,2007 धर्मपुर,गोपालपुर,सुंदरनगर व गोहर

जुलाई,2007 सदर,बल्ह, द्रंग व चौंतड़ा

जिला में गठित डेयरी समूहों का विवरण

क्र	माह	खंड	कुल शिविर
1	मई,2007	द्रंग,गोहर, बल्ह व धर्मपुर	4
2	जून,2007	सराज,बालीचौकी व सुंदरनगर	2
3	जुलाई,2007	सदर,चौंतड़ा,गोहर,गोपालपुर	4
4	अगस्त,2007	बल्ह,द्रंग,गोहर,धर्मपुर,सराज व सदर	6
5	सितम्बर,2007	करसोग,चौंतड़ा,सुंदरनगर,धर्मपुर,सराज,बालीचौकी	5
6	अक्तूबर,2007	गोपालपुर,गोहर,सदर,बल्ह व द्रंग	5
7	नवम्बर,2007	सराज,करसोग,धर्मपुर,द्रंग,सुंदरनगर	5
		कुल शिविर	31

अप्रैल, 2007से मार्च 2008तक कुल 31 पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों को सभी विकास खंडों में आयोजित किया गया। प्रत्येक कैंप में लगभग 40 से 60 पशु पालकों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की इनमें डेयरी समूहों के लाभार्थी, मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा बनाए गए स्वंय सहायता समूहों के पशुपालक तथा अन्य स्थानीय पशुपालकों ने भाग लिया।

पशु स्वास्थ्य शिविरों का लक्ष्य

पशु स्वास्थ्य शिविरों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को पशु पालने संबंधी बेहतर जानकारी प्रदान करना है। ताकि पशुपालक अपने पशुओं के रख रखाव में सावधानी बरतें। उन्हें बढ़िया चारा खिलाएं और उनके स्वास्थ्य का पूरा पूरा ध्यान रख सकें।

दूसरे यदि किसी पशुपालक का पशु बीमार है या उनके दुधारू पशु गर्भ धारण नहीं करते या अन्य कुछ समस्या है तो जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा नियुक्त जिला परियोजना समन्वयक डा. टी.आर. नंदा ने उनका उसी शिविर में इलाज करते चाहे दवा देनी हो या टीकाकरण करना हो।

तीसरे पशुपालकों को दूध से बनने वाली चीजों जैसे पनीर, मक्खन, घी, खोया की मात्रा पशुओं के दूध से अधिक से अधिक कैसे प्राप्त कर सकते हैं, उनकी जानकारी देना था। चौथे , पशुपालकों की रोजमर्रा की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाता था और उनका समाधान किया जाता था।

शिविरों के सफल आयोजन में जन भागीदारी

इन शिविरों को सफल बनाने हेतु खंड मोटीवेटरों ग्राम सेविका, मुख्य सेविका तथा पंचायत साक्षरता कार्यकर्ताओं ने अपनी अहम भूमिका निभाई। खंड समन्वयक इन शिविरों की सूचना पंचायत प्रधान व पशु स्वास्थ्य केन्द्र के स्टाफ को भी देते थे। पंचायत प्रधान अपने सभी सदस्यों को आगे इन शिविरों की सूचना देते थे। इस प्रकार ये शिविर विभिन्न लोगों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न होते थे।

5.कपार्ट परियोजना

प्राकृतिक जल स्रोतों की मुरम्मत व रखरखाव हेतु कपार्ट क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ से मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को तीन खंडों (गोहर, सुंदरनगर, करसोग) की 21 पंचायतों में पानी पंचायत कमेटियों का गठन व 15 पंचायतों में बावड़ी, खुरली, प्लेटफार्म, नाली व शौकपीट बनाने हेतु अप्रैल,2006 में परियोजना स्वीकृत हुई। जिसके तहत पानी पंचायत कमेटियों का गठन करना था। जिले में ये पंचायते निम्नलिखित रूप से खंड बार ली गई हैः–

क्र.	खंड	पंचायतों के नाम
1	गोहर	1. सेरी, 2. बाल्हड़ी, 3. देलग, 4. वाड़ा, 5. खारसी, 6. देवधार 7. कांडा बगश्याड, 8. तांदी, 9. बस्सी, 10 झुंगी।
2	सुंदरनगर	1. घीड़ी, 2. जै देवी, 3. पलोहटा, 4. चमूखा, 5. कलोहड़, 6. भनवाड़
3	करसोग	1.सेरी, 2. चौरीधार, 3. बालीधार, 4. भनेरा, 5. ठाकुर ठाणा

प्रथम चरण के तहत स्वीकृत 15 पंचायतों में जल स्रोतों का निर्माण किया जायेगा जिसका विवरण निम्न प्रकार से है।

क्र.	खंड	पंचायतों के नाम
1	गोहर	1. सेरी, 2. बाल्हड़ी, 3. देलग, 4. वाड़ा, 5. खारसी, 6. झुंगी, 7. बस्सी
2	सुंदरनगर	1. घीड़ी, 2. जै देवी, 3. पलोहटा, 4. चमूखा,
3	करसोग	1.सेरी, 2. बालीधार, 3. भनेरा, 4. ठाकुर ठाणा

पंचायतों के चयन प्रक्रिया के बिन्दू

समिति ने यह परियोजना इन तीन खंडों में इसलिए शुरू की कि इन पंचायतों में लोगों को पानी की असुविधा थी। नलकों में पानी समय पर ही आता है। 2 मई को जिला स्तर पर प्राकृतिक जल स्रोतों के रखरखाव हेतु स्वीकृत परियोजना के क्रियान्वयन हेतु जिला व खंड समन्वयकों की बैठक की गई थी जिसमें निर्णय लिया गया था कि 21पंचायतों में पानी पंचायत का गठन किया जायेगा व 15 पंचायतों में बावड़ी निर्माण कार्य किया जायेगा। यह परियोजना निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लागू की गई।

1. जल स्रौतों/ बावड़ी के निर्माण/ मुरम्मत के लिये किसी भी सरकारी विभाग से पहले कोई वित्तीय सहायता न मिली हो।
2. बावड़ी में पानी की उपलब्धता सारे साल रहती हो।
3. अनुसूचित जाति व जनजाति के गांवों को प्राथमिकता दी गई।
4. बावड़ी निर्माण हेतु स्थानीय समुदाय सहमत हो तथा 15 प्रतिशत अंशदान व श्रमदान करने हेतु तैयार हो।

उपरोक्त चारों बिदुंओं के तहत ही चयन प्रक्रिया अपनाई गई है।

परियोजना के क्रियान्वयन हेतु प्रक्रिया

- ❖ इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिये सबसे पहले जिला स्तर पर क्रियान्वयन/ संचालन समिति का गठन किया गया जिसमें सचिव मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति, परियोजना समन्वयक, तकनीकी विकास समिति के अभियंता श्री हितेंद्र कपूर तथा युवा उद्यमी सुषमा ककारला सदस्य थे उनका मुख्य कार्य समय समय पर बैठकें कर समीक्षा करना था।
- ❖ खंड स्तर पर एक संचालन समिति का गठन किया गया जिसमें खंड विकास अधिकारी, खंड समन्वयक संपूर्ण स्वच्छता अभियान तथा कनिष्ठ अभियंता ग्रामीण विकास तथा मंडी साक्षरता समिति

के कार्यकारिणी सदस्य गोहर से डा. विजय विशाल, सुंदरनगर से श्रीमती पदमा शर्मा तथा करसोग से श्री श्याम सिंह चौहान को सदस्य बनाया गया।

- ❖ पंचायत स्तर पर पंचायत प्रधान, तकनीकी सहायक, पंचायत समन्वयक व वार्ड सदस्य की संचालन समिति गठित की गई।
- ❖ जून माह से पंचायत स्तर पर 21पंचायत कमेटियों का गठन किया गया । इस कमेटी में वार्ड स्तर पर जहां बावड़ी का निर्माण कार्य किया गया उस वार्ड के वार्ड सदस्य, स्वयं सहायता समूह के प्रधान/ सचिव, जन चेतना गाईड, महिला मंडल, युवक मंडल का एक–एक सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सेवानिवृत कर्मचारी को लिया गया। इन पंचायत कमेटियों ने अपने–अपने क्षेत्र में उन प्राकृतिक जल स्रोतों के फोटोग्राफ लेकर चयनित किया जिनके रखरखाव से पंचायत के अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

सहायक सामग्री

- ❖ इस परियोजना के उद्देश्य की प्रस्तुति हेतु एक लीफलैट निकाला गया जिसमें प्राकृतिक जल स्रोतों की साफ–सफाई तथा उनके रखरखाव की विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविरों का आयोजन

- ❖ जुलाई–अगस्त में पंचायत/ वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाए गए जिसमें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। लोगों को पानी के महत्व बारे जानकारी दी गई तथा पानी से होने वाली बीमारियों व संपूर्ण स्वच्छता बारे भी लोगों को प्रेरित किया गया कि बावड़ी के आसपास कोई भी शौच न करें पशुओं को न नहलाए, कपड़े न धोये व गंदगी न फैलायें।

6.ग्रामीण विकास आंदोलन

लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रौद्योगिक विकास परिषद (कपार्ट) क्षेत्रिय कार्यालय चंडीगढ़ से 26–27 सिंबर,2007 को दो दिवसीय कार्यशाला में मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति से श्री तिलक राम चौहान व हेम चंद हरनोट ने भाग लिया। कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा ग्रामीण विकास आंदोलन चलाने बारे विस्तृत जानकारी दी गई तथा जिला में एक खंड में इस तरह की परियोजना बनाने बारे कहा गया। इस परियोजना के तहत लोगों को भारत सरकार की योजनाओं के बारे बताया गया। परियोजना का मुख्य मकसद पानी प्रबंधन व पानी संवर्धन, ग्रामीण विकास विभाग की जानकारी व भूमि विकास प्रबंधन बारे लोगों को अगवत करवाना है। समिति द्वारा 1 से 10 अक्तूबर तक करसोग खंड की 60 पंचायतों का सर्वेक्षण किया गया तथा परियोजना रिर्पोट तैयार करके कपार्ट के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ को भेजी गई।

7. लोहगिरी कलस्टर थाची, उप तहसील बालीचौकी

लोहगिरी कलस्टर थाची, उप तहसील बालीचौकी खंड सराज में मार्च,2008 से अब तक समिति द्वारा किये गये कार्यो का विवरण निम्न प्रकार से हैः–

मार्च,2008

जिला विकास प्रबंधक श्री मलकीत सिंह के मार्गदर्शन में लोहगिरी कलस्टर हेतु सर्वेक्षण फार्म तैयार किया गया तथा बालीचौकी में 5 कार्यकर्ताओं की टीम जिसमें कलस्टर सहायक सेवक राम ठाकुर, मोहन भारती, डूर सिंह खंड समन्वयक बालीचौकी, भुवनेश्वर सिंह तथा हेमा ठाकुर ने लोहगिरी से जुड़े इन परिवारों का घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया। ये गांव तीन ग्राम पंचायतों

थाची, बागी भनबास और सोमगाड़ में पड़ते हैं। इस सर्वेक्षण के दौरान जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड भी उपस्थित रहें।

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 तक

<u>प्रस्तावना</u>

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को 25 नवम्बर,1997 को सतत शिक्षा कार्यक्रम की स्वीकृति राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा दी गई। इसके उपरांत जिला भर में 2692 जन चेतना केन्द्रों का गठन वार्ड स्तर पर किया गया। 15 अप्रैल,1998 को सतत शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस समय राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं सहायता समूहों के संचालन पर चर्चाएं शुरू हो चुकी थी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा राज्य स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें तमिलनाडू "मल्लर" संस्था से जुड़े साथियों से स्वयं सहायता समूह गठन व महत्व समझाया गया। समिति स्तर पर इसके गठन का कार्य वर्ष 1999 में शुरू किया गया। उस समय यह सोच चल रही थी कि सतत शिक्षा कार्यक्रम को वित्तीय सहायता न मिलने पर जिस तरह से अभियान में हजारों महिलाएं, नवसाक्षर व कार्यकर्ता के रूप में जुड़ी हुई थी। समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जन चेतना केन्द्र में एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया जायेगा तथा इसके संचालन की जिम्मेवारी स्वयं सहायता समूहों को दी जाये। इसके गठन व बैंक लिकेंज हेतु नाबार्ड द्वारा वर्ष 2002 में परियोजना स्वीकृत की गई जिसके तहत 2000 समूहों का गठन व निर्माण किया जाना था। परन्तु इसके उपरांत यह कार्य निरंतर चलता रहा। 31 मार्च,2008 तक समिति द्वारा 3313 समूहों का गठन किया जा चुकाहै। जिसमें 36785 महिलाएं तथा 2674 पुरूष सदस्य है। इनके क्षरा 3 करोड़ 90 लाख रूपये बचत तथा 11 करोड़ 69 लाख रूपये ऋण घरेलू जरूरतों तथा आर्थिक गतिविधियों को चलाये जाने के लिये लिया गया। अब तक 2745 समूह बैंक से लिंक हो चुके है। समूहों द्वारा विभिन्न तरह की गतिविधियां चलाई जा रही है। तैयार उत्पादों की मार्केटिंग जरूरतें निकल कर आई। इसके साथ गुणवता विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता है जिसके लिये नाबार्ड व दूसरी संस्थाओं से सहयोग लिया जा रहा है। समिति द्वारा समूह फैडरेशन बनाने के लिये प्रयासरत है ताकि समूह निरंतर सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते रहें। इन्हें सुदृढ करने के लिए विभिन्न विभागों व संस्थाओं के सहयोग की जरूरत रहेगी।

सचिव
मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

समिति के उद्देश्य

- सतत् शिक्षा कार्यक्रम के लिए अभियान चलाना।
- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्म निरपेक्षता के लिए जागरूकता पैदा करना।
- सामाजिक और आर्थिक विकास के लिये परियोजना तैयार करना।
- सरकारी एवम् गैर सरकारी संस्थाओं से जन प्रतिनिधियों छात्र–युवाओं, महिलाओं व मजदूरों के संगठनों के साथ तालमेल साधकर महिलाओं और समाज वंचित लोगों के सशक्तिकरण का आंदोलन चलाना।
- विभिन्न सर्वेक्षण के माध्यम से सुचनाओं और अनुभवों को लोगों के साथ सांझा करना।
- सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन करना।
- अपंग और अस्हाय व्यक्तियों की मदद करना।
- लोक जीवन में वैज्ञानिक सोच पैदा करना।

अप्रैल, 2008 से फरवरी,2009 तक

1. नाबार्ड को लौहगिरी कलस्टर स्थापित करने बारे परियोजना प्रस्ताव की मंजूरी के दौरान उस क्षेत्र में बैंकों से लिये गये ऋण की वापसी बारे संबंधित लाभार्थियों को तैयार किया जायेगा इस बारे परियोजना की 15 लाख रूपये की स्वीकृति हो चुकी है तथा परियोजना की कार्ययोजना नाबार्ड को स्वीकृति हेतु भेजी गई है। कलस्टर फैसलीटेटर का प्रशिक्षण भी नाबार्ड द्वारा अहमदाबाद में 1–7फरवरी,2009 तक किया जा चुका है।

2. करसोग खंड में कपार्ट द्वारा स्वीकृत ग्रामीण विकास आंदोलन जो 7मई, 2008 से विधिवत् रूप से उपायक्त श्री ओंकार शर्मा द्वारा शुरू की गई थी इस परियोजना का समन्वयन श्री तिलक राम चौहान करेंगे। _परियोजना का प्रथम चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। मध्यकालीन मुल्यांकन हो चुका है ।

3. पांरपरिक जल स्त्रोतों की मुरम्मत व रखरखाव सम्बन्धी कपार्ट से स्वीकृत परियोजना के दूसरे चरण में पानी पंचायत (कमेटी) का गठन व जागरूकता शिविर जून माह में आयोजित किये गये तथा निर्माण कार्य जुलाई व अगस्त माह में किया जा चुका है। सभी बावड़ियों का निर्माण हो चुका है। कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा इसका मूल्यांकन प्रस्तावित है जिसमें श्री श्याम सिंह चौहान, श्रीमती पदमा शर्मा, डा. विजय विशाल व श्री नरपत राम वर्मा के नाम है।

4. नगर परिषद मंडी द्वारा शहर में संचालित की जा रही पर्यावरण एवम् स्वच्छता परियोजना सम्बन्धी आई.ई.सी. गतिविधियां आयोजित करने बारे समिति द्वारा प्रेषित_प्रस्ताव को स्वीकृत करने बारे परियोजना प्रस्ताव नगर परिषद को भेजा जा चुका है।

5. भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त सर्विस प्रोवाईडर परियोजना के तहत 20 सर्विस प्रोवाईडर सहायक नियुक्त किये जा चुके है जिन्हें प्राप्त प्रोत्साहन राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा अदा किया जा रहा है तथा शेष 10 प्रतिशत हिस्सा समिति के खाता में रखा जा रहा है।

6. सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत समिति व डी.आर.डी.ए. के बीच हस्ताक्षरित अनुबंध (एम.ओ.यू.) का अधिकतर कार्य पूरा कर लिया गया है और उसकी समय अवधि भी पूरी हो रही है जिसे ध्यान में रखते हुये समिति ओ.डी.एफ. से पूर्ण स्वच्छता का स्तर हासिल करने के लिए वांच्छित कार्यो व मॉनीटरिंग हेतु आगामी एक वर्ष के लिये प्रस्ताव डी.आर.डी.ए. को भेजेगी। इस बारे प्रस्ताव भेजा जा चुका है जिसकी स्वीकृति भी डीआरडीए से मिल चुकी है। कार्ययोजना स्वीकृति हेतु भेजी गई है।

7. 5 जून,2008 को खंड स्तरीय स्कूल स्वच्छता दिवस सभी खंडों में आयोजित किये जा रहे हैं जिनमें संबंधित विधायक कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे। इन कार्यक्रमों में कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया तथा कार्यक्रम की जानकारी लाभार्थियों को दी।

8. समिति के सदस्यों का **स्वच्छता अध्ययन भ्रमण 15 से 20 जून,2008** के बीच में आयोजित करने बारे निर्णय लिया गया था ताकि वे संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत हुये कार्य की मौके पर जानकारी व अनुभव हासिल कर सके।

9. समिति द्वारा गटित स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पादों के भंडारण व पैकेजिंग के लिये समिति कार्यालय सौली खड्ड के पास व्यवस्था की जायेगी जिस हेतु डी.आर.डी.ए. को प्राप्ति हेतु प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

10. समिति द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों का दस्तावेजीकरण व डाक्युमेंट्री फिल्म तैयार की जा चुकी है।

11. समिति द्वारा इन्दिरा मार्केट में स्थित घंटाघर में चलाये जा रहे **बाल वाचनालय के सुदृढ़ीकरण** हेतु प्रयास किये जाए रहे है ताकि इसमें अधिक से अधिक बच्चे बाल साहित्य पढ़ सके तथा ज्ञान अर्जित कर सकें।

12. मंडी जिला में 9 से 45 आयु वर्ग के निरक्षरों को साक्षर करने बारे परियोजना तैयार करके स्वीकृति हेतु राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को भेजी जायेगी। –लोक तालीम परियोजना का आधार सर्वेक्षण 50 पंचायतों में चल रहा है

समिति द्वारा संचालित परियोजनाओं की समीक्षा

2.1 **एक हजार समूहों के गठन व लिर्केज सम्बन्धी परियोजना किये गये कार्य।**

समिति द्वारा गठित कुल स्वयं सहायता समूहों की स्थिति			
		कुल समूह	3343
		कुल सदस्य	39271
		महिला सदस्य	36682
		पुरूष सदस्य	2681
		अब तक की कुल बचत	5,33,49,339.00
		समिति द्वारा बैंक में लिर्केज समूह	3312
		बैंक से लिया गया ऋण	5,85,95,294.00
		रिलिंक समूह	918
		रिलिंक राशि	5,81,04170.00
नई परियोजना के तहत गठित समूह			1031
		कुल सदस्य	10913
		महिला सदस्य	9342
		कुल बचत खाते	967
		कुल बैंक लिर्केज	1001
		कुल ऋण राशि	3,01,87,550.00
		रिलिंक समूह	46
		रिलिंक राशि	33,27,500.00

स्वयं सहायता समूहों द्वारा आर्थिक गतिविधियां

- ✓ विकल्प मार्केटिंग समूह :–समूहों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों को जिला स्तर पर एकत्रित किया गया है जिसकी साप्ताहिक हाट में 10से12 हजार बिक्री हो रही है।

- ✓ साप्ताहिक हाट में समिति के समूहों द्वारा 50 से 60 हजार रूपये की बिक्री हो रही है जिसमें सदर, बल्ह, सुंदरनगर, गोहर, गोपालपुर, द्रंग खंड के समूह भाग ले रहे हैं।

- ✓ कला ग्राम चंडीगढ़ दांडिया उत्सव में 1से 8 अक्तूबर को दो समूहों के सदस्यों ने भाग लिया।

- ✓ रैड क्रॉस मेलें में नाबार्ड द्वारा दो स्टाल प्रायोजित किये गये थे जिनमें समूहों द्वारा 25000/– के उत्पादों की बिक्री की गई।

- ✓ चैलचौक में समूह के 10 सदस्यों इन्नर वियर बनाने का कार्य कर रही है। इन सदस्यों को लुधियाना से मशीने खरीदी गई। इन महिलाओं द्वारा बेहतर इन्नर वियर बनाये जा रहे हैं तथा इन्हें एक हजार मासिक आमदनी हो रही है।

- ✓ खंड धर्मपुर टीहरा में आचार बनाने का कार्य निरंतरता से किया गया है। अब यह एक यूनिट स्थापित करना चाहते हैं। जिसमें जिला उद्योग केन्द्र से सहयोग की आवश्यकता है।

- ✓ खंड सुंदरनगर कनैड में प्रशिक्षण लाभार्थियों द्वारा विभिन्न किस्म की बड़िया व सीरा बनाया जा रहा है इसकी मार्केटिंग सरलता से हो रही है। सदस्यों द्वारा दाल पीसने की मशीने खरीदी गई है कुछ सदस्य की मासिक आमदनी 2 से 3 हजार हो रही है।
- ✓ खंड बल्ह में स्कूल बैंग, पर्स, खजरे के उत्पाद, पोलीथीन से टोकरियां व शौ पीस बनाये जा रहे है इसके लिये ग्रामीण बैंक से विजनैस क्रेडिट कार्ड बनाये गये है। इसके अलावा, ऊन की स्वेटर बनाई जा रही है। रजाई बनाने का कार्य, व टी.वी कवर इत्यादि बनाये जा रहे हैं।

- ✓ खंड करसोग में खील व मशोग पंचायत में समिति कार्यकर्ताओं व समूहों द्वारा हिमाचल ग्रामीण बैंक द्वारा गठित किसान क्लाबों द्वारा बैमोसमी व विदेशी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है।
- ✓ खंड द्रंग में द्रारट बंगला में समूह द्वारा स्कूल बैग व केरी बैग बनाने का कार्य किया जा रहा है। समूह द्वारा कैरी बैग तैयार करके जोगिन्द्रनगर, पधर व चौंतड़ा की दुकानों में सप्लाई किये जा रहे है। इससे समूहों को 10 से 15 हजार की आमदनी हो रही है।

- ✓ खंड सुदरनगर में महादेव समूह द्वारा केरी बैग बनाने की मशीन के माध्यम से बैग तैयार किये जा रहे है इसकी मार्केटिंग नेरचौक से सुंदरनगर तक की जा रही है।

एक हजार समूहों की नई योजना की हैंड होल्डिंग

बैंक लिकेंज समूहों की हैंड होल्डिक व रिफ्रेशर परियोजना

- ✓ जिला में कलस्टर स्तर पर समूहों के प्रधान सचिवों व सदस्यों को दो दिन की हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण किया जा रहा है जिसमें प्रथम दिन प्रधान व सचिव तथा दूसरे दिन समस्त सदस्य भाग ले रहे हैं अब तक जिला के सात खंडों में प्रशिक्षणों का आयोजन किया जा चुका है। शेष तीन खंडों करसोग,सराज व धर्मपुर में प्रशिक्षण 31 मार्च,2009 तक पूरा किया जायेगा।
- ✓ प्रशिक्षण में संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक, कृषि ,बागवानी, खंड विकास अधिकारी/ विभाग के विषय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

- ✓ यह प्रशिक्षण दिसंबर से फरवरी,2008 तक कलस्टर स्तर पर दिया जाना प्रस्तावित है।

स्वयं सहायता समूहों के साथ जुड़ी परियोजनाएं

- ✓ सुक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत खंड चौंतड़ा में आचार व खंड बल्ह में बड़िया ,सीरा के 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिये जायेगें जिसे नाबार्ड द्वारा प्रायोजित किया गया है।

- ✓ समिति द्वारा रूरल मार्ट योजना के तहत सरकाघाट, सुंदरनगर, चैलचौक पंडोह व जोगिन्द्रनगर के लिये समूह उत्पादों के लिये दुकानों की परियोजना नाबार्ड को भेजी गई है जो स्वीकृत हो चुकी है। पांच स्थानों पर दुकाने खोली जा चुकी है।

- ✓ गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव तमरोह में पिछले दो वर्षो से सफलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। इस हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नागपुर में बैठक की गई है जिससे समिति के परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने भाग लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर समिति के कार्य को सराहा गया। दूसरा गांव खील खंड करसोग में चयन किया गया है जिसका सर्वेक्षण व योजना नाबार्ड को भेजी जा चुकी है जो स्वीकृत हो चुका है।

- ✓ शिवरात्रि मेला हेतु नाबार्ड से 3 स्टाल स्वीकृत किये गयें है।

- ✓ खंड सदर में नाबार्ड द्वारा स्वीकृत कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत नंगवाई में जूस,जैम, आचार का प्रशिक्षण 17फरवरी से 3 मार्च,200 तक आयोजित किया जा रहा है।

- ✓ खंड धर्मपुर में नाबार्ड द्वारा स्वीकृत कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कमलाह क्षेत्र में खजरे के उत्पादों का प्रशिक्षण मार्च माह में दिया जायेगा।

- ✓ जिला उद्योग केन्द्र से स्वीकृत परियोजना खंड करसोग की पिछड़ी ग्राम पंचायत प्रेसी के लिये इन्नर वियर का प्रशिक्षण मार्च माह में किया जायेगा।

- ✓ नाबार्ड द्वारा आयोजित 22जनवरी से 2 फरवरी तक मुंबई सारस फेयर में समूहों के दो प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 14000/– की बिक्री हुई।

- ✓ 22फरवरी को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित प्रदर्शनी में समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवम् बिक्री हेतु समूहों के दो सदस्य भाग लेगें।

प्राकृतिक जल स्रोतों के रखरखाव व ग्रामीण विकास आंदोलन परियोजना संबंधी

कपार्ट से स्वीकृत इस परियोजना के तहत द्वितीय चरण में करसोग, गोहर व सुंदरनगर खंड के 25 गांवों में बावड़ियों का निर्माण किया जा चुका है।

ग्रमीण विकास आंदोलन

गतिविधियों की रिपोर्ट

- ✓ 7मई को ग्रामीण विकास आंदोलन का शुभारंभ उपायुक्त महोदय द्वारा।
- ✓ 10मई से 9 जून,2008 तक ग्रामीण विकास आंदोलन के लिये सहायक सामगी तैयार की गई।
- ✓ 10 जून को जिला स्तर पर स्रौत व्यक्तियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण।
- ✓ 13 जून को खंड स्तर पर विभागाध्यक्षों की बैठक।
- ✓ 15–16 जून को कलस्टर स्तर पर दो दिवसीय कार्यशाला निहरी।
- ✓ 17–18 जून को कलस्टर स्तर पर दो दिवसीय कार्यशाला पांगणा।
- ✓ 19–20जून को कलस्टर स्तर पर दो दिवसीय कार्यशाला चुराग।
- ✓ 29 जून को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन निहरी।
- ✓ 30 जून को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन जरल।
- ✓ 1जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन वदैहण।
- ✓ 2 जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन घड़ौई।
- ✓ 8–9 जुलाई को कलस्टर स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन वलिण्डी।
- ✓ 11–12 जुलाई को कलस्टर स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शोरशन।
- ✓ 15–16 जुलाई को कलस्टर स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तत्तापानी।
- ✓ 17–18जुलाई को कलस्टर स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन थली।
- ✓ 19–20 जुलाई को कलस्टर स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन माहूनाग।
- ✓ 25 जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन परलोग।
- ✓ 26जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन विंदला।
- ✓ 29 जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन थली।
- ✓ 30 जुलाई को पंचायत स्तरीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन शाकरा।

उपरोक्त कलस्टरों में कलस्टर बार प्रशिक्षणों का विवरण

क्र.	कलस्टर	पंचायत राज सदस्य	स्वयं सहायता समूह	पानी विशेषज्ञ	महिला मंडल	सरकारी कर्मचारी	आंगनबाड़ी/ साक्षरता कार्यकता	कुल उपस्थिति प्रतिभागी		
								म	पु.	कुल
1	निहरी	22	22	4	15	20	18	45	46	91
2	पांगणा	27	15	4	32	6	21	70	35	105
3	चुराग	21	10	4	14	7	13	39	30	69
4	वलिंडी	23	10	5	17	5	44	39	65	104
5	शोरसन	21	2	4	10	4	24	27	38	65
6	तत्तापानी	12	10	5	31	7	44	75	34	109
7	थली	16	3	3	5	5	22	19	35	54
8	माहूनाग	19	5	9	26	7	33	34	64	98
	कुल	161	77	38	150	61	219	348	347	695

- 6सितंबर को खंड स्तर पर समस्त पंचायत समन्वयकों का प्रशिक्षण।
- 9सितंबर को खंड स्रौत व्यक्तियों को स्कूल प्रतियोगिता के लिये प्रशिक्षण।
- 10सितंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चुराग में भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
- 15–23 सितंबर तक 23 केन्द्रीय पाठशालाओं में 93 स्कूलों के बच्चों की भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
- 26 सितंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला निहरी में भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
- 29 सितंबर को खंड स्रौत व्यक्तियों की समीक्षा बैठक खंड स्तर पर।
- 6अक्तूबर को खंड स्रौत व्यक्ति बैठक का आयोजन विकास सारथी समूह हेतु।
- 7–15अक्तूबर,2008 तक विकास सारथी समूह की बैठक पंचायत स्तर पर ।
- 16–21 अक्तूबर,2008 तक 9प्राथमिक स्कूलों व 8उच्च व वरिष्ठ स्कूलों में भाषण व पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- अब तक 120 प्राथमिक स्कूलों में से 102 स्कूलों के बच्चों का 23 स्थानों पर भाषण प्रतियोगिता करवाई गई तथा 38 उच्च व वरिष्ठ स्कूलों में से 26 स्कूलों में भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता करवाई गई।

पर्यावरण समूह (इक्को क्लब) मॉनीटरिंग कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला में 150 स्कूलों में इक्को क्लब का गठन किया गया है। गत वर्ष प्रभारियों व छात्रों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा इन स्कूलों में गतिविधियां आयोजित की जा रही है। समिति के पास 81 स्कूलों से छात्रों की सदस्यता प्राप्त हो चुकी है जो कुल 9240 छात्रों ने सदस्यता ग्रहण की है।

सर्विस प्रोवाईडर योजना

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा व्यवसाय सहायक योजना के अंतर्गत समिति द्वारा अब तक सुंदरनगर कलोनी, सरकाघाट, मंडी, जोगिन्द्रनगर व गुम्मा शाखा में विजनैस किया गया है जिसके अंतर्गत सुंदरनगर में–3, सरकाघाट में–2, जोगिन्द्रनगर में–2, मंडी में–2, विजनैस सहायक कार्य कर रहे है अब तक कुल व्यवसाय निम्न प्रकार से हैः–

क्र.	खाते	नम्बर	जमा राशि
1	बचत खाते	1421	4501879.00
2	आर.डी.	47	101100.00
3	एफ.डी	210	16349500.00
	कुल	**1678**	**2,09,52,479.00**

बैंक से ऋण राशि

क्र.	ऋण	नम्बर	राशि
1	व्यक्तिगत	28	9143000.00
2	व्यवसाय	5	340000.00
3	कृषि	115	17952600.00
	कुल	**148**	**2,74,35,600.00**

बैंक से प्राप्त व्यवसाय कमीशन

क्र.	शाखा	प्राप्त	देय भुगतान	समिति हिस्सा
1.	सुंदरनगर	161661.00	145495.00	16166.00
2.	सरकाघाट	76143.00	68529.00	7614.00
3.	जोगिन्द्रनगर	31609.00	28449.00	3160.00
4.	मंडी	18175.00	16358.00	1817.00
5.	मुख्यालय	400.00	360.00	40
	कुल	**287988.00**	**259191.00**	**28797.00**